सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 7 ● अंक: 320 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 27 दिसम्बर, 2021
मूल्य ₹ 3/-

सबसे सशक्त संपत्ति जो हम सभी के पास है वो है हमारा दिमाग। अगर इसे सही से ट्रेन किया जाए तो ये पल भर में अपार धन पैदा कर सकता है।
-रॉबर्ट कियोसाकी

रात में कर्फ्यू दिन में रैली, समझ... 8 | मिशन यूपी को धार देंगे कांग्रेस... 3 | डराने लगी ओमिक्रॉन की रफ्तार... 7

गये थे अतीक की जमीन खाली कराने की ब्रांडिंग करने और मंच पर माला पहन ली कुख्यात अपराधी से सीएम ने

» प्रयागराज में आयोजित कार्यक्रम में बच्चा पासी गैंग के मंजीत कुशवाहा ने सीएम के साथ साझा किया मंच

» अंडरवर्ल्ड माफिया छोटा राजन का शूटर है बच्चा पासी, सियासी गलियारे में हड़कंप

» विपक्ष ने सरकार पर लगाया अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप

□□□ अमित श्रीवास्तव

लखनऊ। एक ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी सभाओं में प्रदेश से माफियाओं का सफाया करने का दावा करते हैं वहीं दूसरी ओर उनकी सभा में न केवल कुख्यात बच्चा पासी गैंग का करीबी मौजूद रहता है बल्कि मंच पर उनका फूल मालाओं से स्वागत भी करता है। सार्वजनिक मंच पर मौजूद गैंग के सदस्य को लेकर विपक्ष ने प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला है। विपक्ष का आरोप है कि भाजपा सरकार खुद माफियाओं को संरक्षण दे रही है। जो माफिया भाजपा के साथ हैं वह पाक-साफ हैं जो नहीं हैं उस पर कार्रवाई की जा रही है।

मामले ने तब तूल पकड़ लिया जब रविवार को प्रयागराज के लूकरगंज में आयोजित सीएम योगी आदित्यनाथ की जनसभा में अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन गैंग के शूटर और माफिया डॉन बच्चा पासी का करीबी मंजीत कुशवाहा शामिल हुआ। यही नहीं उसने मंच पर पहुंचकर अन्य लोगों के साथ सीएम को माला भी पहनाई। हैरानी की बात यह है कि उसने मंच से जनता की ओर बड़े नेताओं की तरह हाथ भी हिलाया। गौरतलब है कि इससे पहले माफिया अतीक अहमद के कब्जे से मुक्त करायी गयी जमीन पर मुख्यमंत्री ने भूमि पूजन किया था और ऐलान किया था कि जमीन पर बनने वाले आवास गरीबों को दिए जाएंगे। इस मौके पर उन्होंने एक बार फिर माफिया के सफाए की बात की। वहीं माफिया के साथ तस्वीर सामने आने के बाद विपक्ष ने भाजपा पर जमकर प्रहार किया। विपक्ष ने कहा कि इसने भाजपा के चाल-चरित्र और चेहरे को एक बार फिर उजागर कर दिया है। उसे केवल वोट से मतलब है अपराधियों से नहीं।

कौन है मंजीत कुशवाहा

अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन के करीबी बच्चा पासी का गैंग पिछले साल पंजीकृत हुआ है। यूपी पुलिस ने डी-46 नाम के इस गैंग को पंजीकृत कर गैंगचार्ट तैयार किया था। पुलिस ने बच्चा पासी को इस गैंग का लीडर बताया था जबकि सदस्यों के तौर पर 14 लोगों के नाम शामिल किए थे। इनमें धूमनगंज स्थित पीपलगांव निवासी मंजीत कुशवाहा का भी नाम था। धूमनगंज के साकेत नगर निवासी रिटायर्ड इंस्पेक्टर गुरु प्रसाद के सहायक अध्यापक बेटे कैलाश ने पिछले साल 24 अक्टूबर को मंजीत के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धारा में केस दर्ज कराया था। आरोप है कि उसने पांच लाख लिए लेकिन जमीन नहीं दी।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

"मंच पर कौन जाएगा, यह सूची प्रशासनिक अफसरों के पास होती है। मुझे इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है।
- सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी डीआईजी

"मैं इस नाम के किसी भी व्यक्ति को नहीं जानता हूं। न ही इस नाम का कोई भी पदाधिकारी मेरे संज्ञान में है।
- गणेश केसरवानी महानगर अध्यक्ष प्रयागराज, भाजपा

"योगी सरकार खुद अपराधियों को संरक्षण दे रही है। मुख्यमंत्री केवल अपराधियों के खिलाफ भाषण देते हैं जबकि खुद उनका स्वागत माफिया का करीबी कर रहा है। यदि सरकार प्रदेश के टॉप टेन अपराधियों की लिस्ट जारी करे तो आधे से अधिक भाजपा में ही मिलेंगे।

सुनील सिंह साजन, एमएलसी, सपा

"प्रदेश की भाजपा सरकार राजधर्म का पालन नहीं कर रही है। वह अपराधियों को लेकर दोहरा रवैया अपना रही है। भाजपा केवल वोटवादी है, उसे अपराधियों से कोई मतलब नहीं है। प्रयागराज में मंच से सीएम का माफिया के करीबी द्वारा स्वागत करना इसकी बानगी है।

दीपक सिंह, एमएलसी, कांग्रेस

"भाजपा का चाल-चरित्र और चेहरा फिर उजागर हो गया है। इसके पहले लखीमपुर में किसानों के कातिल के पिता और गृहराज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी गृहमंत्री के साथ मंच पर दिख चुके हैं। अब माफिया का करीबी सीएम को माला पहना रहा है जबकि सीएम माफिया के सफाए का दावा करते रहते हैं।

नीलम यादव, प्रदेश अध्यक्ष, महिला विंग, आप

"मुख्यमंत्री की कथनी-करनी में अंतर है। वे खुद माफिया से घिरे हैं। राम के नाम पर उनके मंत्री और विधायक अयोध्या में जमीन लूट में लगे हैं लेकिन इन भू-माफियाओं पर कार्रवाई नहीं हो रही है। जनता भाजपा को अच्छी तरह समझ चुकी है और अब उसके झांसे में नहीं आने वाली है।

अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय संयोजक, टीम आरएलडी

छोटा राजन के करीबी बच्चा पासी गैंग के सदस्य को भाजपा ने बनाया पदाधिकारी

प्रदेश के माफियाओं पर शिकंजा कसने का दावा करने वाली भाजपा की पोल फिर खुल गयी है। भाजपा ने अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन के करीबी बच्चा पासी गैंग के सदस्य और पीपलगांव निवासी मंजीत कुशवाहा को पंचायत प्रकोष्ठ का संयोजक बनाया है। यह लिस्ट भाजपा ने बाकायदा अपने प्रयागराज महानगर विंग से जारी की है। हालांकि अब जब मंजीत कुशवाहा द्वारा सीएम के साथ मंच शेयर करने की तस्वीर सामने आयी है तो महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ऐसे किसी पदाधिकारी के नाम से ही इंकार कर रहे हैं।

पूरी कहानी सुनिये यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

अपराधियों को निपटाना जानती है योगी सरकार : केशव मौर्य

» डिप्टी सीएम ने फूंका जन में विश्वास का मंत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उरई। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य चुनाव से पहले पूरी रौ में हैं। आत्मविश्वास से लबरेज मौर्य ने जालौन की जनसभा में आए जन को विश्वास का मंत्र दिया और कार्यकर्ताओं को बुंदेलखंड विजय का संकल्प दिलाया। उन्होंने इसी भरोसे के साथ वर्ष 2014, 2017 और 2019 से भी बड़ी जीत के भरोसे के साथ उन्होंने जनता के सामने उम्मीदों की बेल परवान चढ़ा दी।

कहा कि पूरा भरोसा है कि इस बार जनता पिछली बार से ज्यादा बड़ी जीत दर्ज कराएगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार भी बुंदेलखंड की जनता कमल का फूल खिलाना चाहती है। पूरा विश्वास है कि इस बार भी जनता पिछली बार से बड़ी जीत दर्ज कराएगी। जयश्री राम के नारों के साथ उन्होंने पूरे पंडाल में हिंदुत्व की अलख जगा दी। कहा, आप बताइए 300 पार कराएंगे कि नहीं, जनता से जवाब आया हां, फिर क्या था तालियां बजने लगीं। गृहमंत्री के साथ आए केशव ने जन के विश्वास का मंत्र फूंकते हुए पूरा सहयोग मांगा। लगभग दो मिनट के उद्बोधन में उन्होंने जनता को विकास का भरोसा दिलाया कि भाजपा सरकार जन मन के साथ है और रहेगी। केशव ने बूथ जीता, चुनाव जीता का मूलमंत्र देते हुए यह भी बताया कि बूथ स्तर पर किस तरह मतदाताओं के बीच कार्य किया जाना है। उन्होंने कहा मतदाताओं का पूरा ध्यान रखे, अगर उन्हें कोई परेशान करता है तो बताएं योगी सरकार अपराधिक लोगों से निपटना जानती है।

जनता ने कर ली भाजपा को हराने की तैयारी : अंशु अवस्थी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के डिजिटल मीडिया संयोजक व प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने कहा कि भाजपा के बड़े-बड़े नेता प्रदेश के विभिन्न जनपदों में जा रहे हैं, यात्राएं कर रहे हैं, रैलियां निकाल रहे हैं लेकिन वह 2017 के वादों की बात नहीं करते, जिसमें उन्होंने कहा था कि रोजगार मिलेगा, 70 लाख नौकरियां मिलेंगी, अपराध कम होगा। अंशु ने कहा आदित्यनाथ की जातिवादी सरकार में किसानों पर अत्याचार होता रहा, महिलाओं पर जो अत्याचार हुआ सभी ने देखा और सरकार पीड़ितों के बजाय अपराधियों के साथ खड़ी नजर आई। यही कारण है कि भाजपा के प्रधानमंत्री जैसे नेताओं के मंच पर अपराधी जगह पा रहे हैं किसानों की हत्या करवाने वाले गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा जैसे लोग जगह पा रहे हैं। उन्होंने कहा भाजपा को अपराधियों से इतना प्रेम है ये प्रदेश की जनता देख रही है और भाजपा के असली चरित्र को जान चुकी है। अंशू ने कहा 2022 में भाजपा को हराने का मन बना चुकी है चाहे जितनी रैली और यात्रा करें, कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है।

जन विश्वास यात्राओं से भाजपाइयों में बढ़ा जोश

यूपी चुनाव 2022 से पहले भाजपा का लक्ष्य सभी 403 सीट पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का है। इसी को लेकर भाजपा ने 19 दिसंबर से छह क्षेत्र से जो जन विश्वास यात्रा शुरू की है, उससे भाजपा के नेताओं तथा कार्यकर्ताओं में जोश बढ़ गया है। भाजपा की जन विश्वास यात्राएं अब समापन की ओर हैं, लेकिन विपक्षी दलों में इनसे काफी बेचैनी है। भाजपा के प्रवक्ता मनीष दीक्षित ने बताया कि प्रदेश में छह क्षेत्रों से रवाना जन विश्वास यात्राओं में लगातार छोटी के साथ बड़ी सभाएं तथा रोड शो भी हो रहा है।

लड़की हूं लड़ सकती हूं... कांग्रेस की मैराथन कल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस की महिला मैराथन को पुलिस प्रशासन ने अब 28 दिसंबर को इकाना स्टेडियम में कराने की अनुमति दी है। इससे पहले कोविड और धारा 144 का हवाला देकर 26 दिसंबर को होने वाली मैराथन को निरस्त कर दिया था। यह बात कांग्रेस नेता शुचि विश्वास ने बताई। उन्होंने बताया कि कल होने वाली मैराथन में हजारों लड़कियां भाग लेगी। इससे पहले कांग्रेस की रविवार को प्रस्तावित लड़की हूं, लड़ सकती हूं मैराथन दौड़ को लखनऊ जिला प्रशासन ने अनुमति नहीं दी, लेकिन 1090 चौराहे पर प्रतियोगिता में शामिल होने दूर-दूर से लड़कियां पहुंच गईं। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और प्रतियोगी लड़कियों ने मैराथन स्थगित होने पर नाराजगी जताई।

पार्टी ने आरोप लगाया है कि सरकार कोविड प्रोटोकाल के नाम पर दोहरा मापदंड अपना रही है। आरोप लगाया इकाना स्टेडियम में सरकार ने तो लाखों की भीड़ जुटा ली, लेकिन कांग्रेस की मैराथन को प्रशासन ने अनुमति नहीं दी। कांग्रेस का तर्क है कि उत्तर प्रदेश की महिलाओं और युवतियों का झुकाव राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की ओर बढ़ रहा है, जिससे योगी सरकार घबरा गई है। वहीं दूसरी ओर बुंदेलखंड मंडल के झांसी जिले में रविवार को लड़की हूं लड़ सकती हूं के नारे के साथ कांग्रेस ने मैराथन का आयोजन किया। इस मैराथन में हजारों लड़कियों ने हिस्सा लिया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी इस मैराथन के लिए संगठन की तारीफ की।

हमारी सरकार ने जो वादे किए उन्हें पूरा किया : भूपेंद्र चौधरी

» योगीराज में जनेऊ पहनकर घूमेगे ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शामली में भाजपा युवा सम्मेलन में पहुंचे पंचायती राज मंत्री भूपेंद्र चौधरी ने पार्टी के युवा नेताओं को आने वाले चुनाव में एकजुट होकर एक बार फिर योगी सरकार लाने के लिए कहा। उन्होंने बताया कि योगी सरकार में अब वह लोग भी राम मंदिर जा रहे हैं। जो कभी राम मंदिर का विरोध करते थे और बता रहे हैं कि सब लोगों का डीएनए एक है।

अगर योगी सरकार दोबारा आई तो ओवैसी भी जनेऊ पहन कर अपने पूर्वजों का नाम ब्राह्मण बताएगा। वहीं उन्होंने कहा कि सपा परिवारवाद और वंशवाद की पार्टी है। पंचायती राज मंत्री ने बताया कि एक बार फिर योगी जी के नेतृत्व में योगी सरकार आएगी। क्योंकि हमारी सरकार ने जो चुनावी वादे किए थे वो पूरे किए है। विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि सपा के पास कुछ नहीं है। वो केवल परिवारवाद या वंशवाद की राजनीति करने की पार्टी है। हमारी सरकार ने जो मंदिर बनाया है। पहले अखिलेश यादव के पिता ने राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थी। अब अखिलेश यादव मंदिर में जाते हैं और जनेऊ पहनते हैं। यही नहीं राहुल गांधी भी कूर्ते के ऊपर जनेऊ पहन कर दिखाते हैं अगर मुख्यमंत्री योगी जी के नेतृत्व में दोबारा भाजपा सरकार आती है तो ओवैसी भी जनेऊ पहन कर घूमेंगे ओर बताएगा कि हमारे पूर्वज भी हिंदू ब्राह्मण या क्षत्रिय थे।

आरोपी की जल्द रिहाई की संभावना नहीं तो रासुका लगाना गलत : हाईकोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने किसी आरोपी के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) की धाराएं लगाने को लेकर अहम फैसला दिया है। हाईकोर्ट ने कहा अगर आरोपी की जल्द रिहाई की संभावना नहीं है तो उसके खिलाफ रासुका लगाना गलत। कोर्ट की यह टिप्पणी शाहजहांपुर के अभयराज गुप्ता की याचिका पर आई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस एमसी त्रिपाठी और जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने इसके साथ ही हत्या और गैंगस्टर एक्ट के तहत जेल में बंद गुप्ता के खिलाफ लगाए गए एनएसए को रद्द कर दिया। अभयराज ने अपनी याचिका में कहा था कि यह घटना दुश्मनी के कारण एक व्यक्ति की हत्या की है, जिससे कानून व्यवस्था तो प्रभावित हुई, लेकिन लोक व्यवस्था नहीं।

पशुपति पारस भी यूपी चुनाव में दिखाएंगे दम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना,। बिहार के लगभग सभी दल उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में अपनी ताकत दिखाने के लिए लाइन में लगते दिख रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भाजपा, सपा और कांग्रेस तो लड़ाई लड़ ही रहे हैं। मगर बिहार की राजनीतिक पार्टियों के तौर पर पहचान वाले जदयू, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) के साथ ही अब राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी ने भी यूपी चुनाव में उतरने का इरादा जाहिर किया है।

अगर यह बात पुष्ट हो जाती है तो यूपी के चुनावों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अलावा पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी, पशुपालन मंत्री मुकेश सहनी और केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस भी वोट मांगते दिखेंगे। बता दें कि जदयू, भाजपा के साथ मिलकर यूपी चुनाव लड़ने की तैयारी में है, वहीं वीआईपी यूपी में मुख्यमंत्री योगी सरकार के खिलाफ बिगुल फूंकती दिख रही है। अगले साल उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भागीदारी पर राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी की कार्यसमिति फैसला लेगी। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस ने बताया कि कार्यसमिति जो फैसला लेगी उसी के आलोक में यूपी में चुनाव लड़ने पर कोई कदम बढ़ाया जाएगा। हमारी कोशिश यही रहेगी कि यूपी चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी दल प्रचंड बहुमत से जीते।

उत्तराखंड में भाजपा टिकट बांटने से पहले मनाएगी संभावित बागियों को

» तैयार हो रही है लिस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। विधानसभा चुनावों के टिकट बांटने से पहले भाजपा हर विधानसभा क्षेत्र में टिकट न मिलने पर बगावत करने वाले संभावित चेहरों की पहचान करेगी। सभी विधानसभा क्षेत्रों के प्रभारियों को ऐसे लोगों की सूची बना एक सप्ताह में रिपोर्ट देने को कहा गया है।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गढ़वाल मंडल के 41 विधानसभा क्षेत्रों के लिए बनाए गए जिला और विधानसभा प्रभारियों, विस्तारकों, जिला प्रवासी और सहायक प्रवासियों की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनावों के लिए अब समय बहुत कम रह गया है। ऐसे में अगले कुछ दिन बहुत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि पार्टी विधानसभा चुनावों में एक बार फिर बंपर सीटों के साथ जीत सुनिश्चित करना चाहती है। इसके लिए पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को एक साथ एकजुट होकर काम करना होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस दौरान विधानसभा प्रभारियों को कई लक्ष्य दिए जो अगले दिनों में पूरे किए जाने हैं। पार्टी के सूत्रों ने बताया कि सभी प्रभारियों को अपने अपने क्षेत्र में टिकट के संभावित दावेदारों की सूची बनाने को कहा गया है। ऐसे दावेदारों की पहचान करने को भी कहा गया है जो टिकट न मिलने की स्थिति में बगावत कर सकते हैं। ताकि समय रहते ऐसे लोगों को मनाया जा सके।

कई सीटों पर आ सकती है बगावत की नौबत

भाजपा में कई सीटों पर टिकट के कई दावेदार हैं। इस बार पार्टी सर्वे में कमजोर चल रहे कुछ प्रत्याशियों के टिकट काटने पर भी विचार कर रही है। ऐसे में बगावत की स्थिति से इंकार नहीं किया जा सकता। भाजपा के नेताओं का अनुमान है कि ऐन वक्त पर टिकट न मिलने से नाराज होकर कुछ नेता पार्टी प्रत्याशी के खिलाफ चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। इसलिए ऐसे लोगों को समय रहने मना लिया जाए।

मिशन यूपी को धार देंगे कांग्रेस के दिग्गज साधेंगे जातीय समीकरण

मतदाताओं को लुभाने के लिए पार्टी आलाकमान ने बनाया प्लान

सियासी जमीन मजबूत करने में जुटीं प्रियंका गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में सियासी वनवास काट रही कांग्रेस आगामी विधान सभा चुनाव में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती है। लिहाजा वह हर पुख्ता रणनीति के साथ चुनावी जंग में कूदने की तैयारी में है। अकेले बूते चुनाव का ऐलान कर चुकी पार्टी ने अब मतदाताओं को रिझाने के लिए दिग्गजों को मैदान में उतारने का फैसला लिया है। ये नेता प्रदेश में जातीय समीकरण भी साधने की कोशिश करेंगे। वहीं कांग्रेस महासचिव और यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी ने खुद भी मोर्चा संभाल लिया है।

उत्तर प्रदेश में होने जा रहे विधान सभा चुनाव में मतदाताओं को लुभाने के लिए कांग्रेस पार्टी अपने चर्चित चेहरों और बड़े नेताओं को जनता के बीच लाने की तैयारी कर रही है। इन नेताओं के जरिये पार्टी जातीय समीकरणों को भी साधने की कोशिश करेगी। पार्टी के नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा तो कांग्रेस के चुनाव अभियान की कमान संभालेंगे ही दूसरे राज्यों के बड़े नेता भी पार्टी के मिशन-यूपी को धार देने के लिए चुनावी मैदान में उतरेंगे। इनमें कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत होंगे। फिलहाल भूपेश बघेल प्रदेश के कुर्मी बहुल क्षेत्रों में सक्रिय हैं।

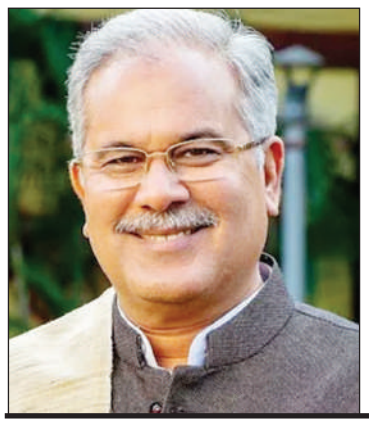

पंजाब में भी विधान सभा चुनाव होने के नाते वहां के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू और मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी उप्र को कम समय दे पाएंगे। फिर भी पार्टी की कोशिश होगी कि तराई क्षेत्र में इनकी जनसभाएं आयोजित कराई जाएं। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व दिग्विजय सिंह के लंबे राजनीतिक अनुभव का लाभ भी पार्टी विधान सभा चुनाव में लेगी। राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट के दौरे पश्चिमी उप्र के गुर्जर बहुल क्षेत्रों में कराकर पार्टी इस बिरादरी के वोटो में भी सेंध लगाने की कोशिश करेगी। गुजरात में कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल के माध्यम से पार्टी कुर्मी बिरादरी को साधने का दांव चलेगी।

सम्मेलन किए जाएंगे आयोजित

कांग्रेस ने दूसरे राज्यों के विधायकों और पूर्व विधायकों को भी जिम्मेदारियां सौंप रही है। इन्हें प्रदेश के लगभग 250 विधान सभा क्षेत्रों में कोआर्डिनेटर (समन्वयक) नियुक्त किया जा रहा है। पार्टी प्रदेश के सभी विधान सभा क्षेत्रों में सम्मेलन भी आयोजित करने जा रही है। इन सम्मेलनों में प्रदेश में पार्टी के बड़े नेता शामिल होंगे। विधान सभा क्षेत्रों में अगले हफ्ते से सम्मेलन शुरू होंगे।

महिलाओं और किसानों पर भी फोकस

कांग्रेस प्रदेश की आधी आबादी को भी रिझाने में जुटी है। प्रियंका गांधी ने लड़की हूं लड़ सकती हूं के नारे के साथ इसका आगाज भी कर दिया है। यही नहीं उन्होंने विधान सभा चुनाव में 40 फीसदी सीट महिलाओं को देने समेत कई अन्य ऐलान कर आधी आबादी को अपने पाले में लाने की कोशिश में जुटी हैं। वहीं किसानों पर भी कांग्रेस की नजर है।

अब युवाओं को अपने पाले में लाने की कवायद में जुटी भाजपा

चुनाव से पहले मोबाइल-टैबलेट का दिया तोहफा

युवाओं के बीच फैले असंतोष को दूर करने की कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में सत्ता बरकरार रखने के लिए भाजपा लगातार नए-नए दांव चल रही है। वह एक ओर छोटे दलों से गठबंधन कर जातीय समीकरण साधने की कोशिश कर रही है वहीं दूसरी ओर प्रदेश के युवाओं को भी रिझाने में जुट गयी है। युवाओं को साधने के लिए प्रदेश सरकार ने एक करोड़ युवाओं को टैबलेट व स्मार्ट फोन देने का ऐलान ही नहीं किया बल्कि इसके वितरण की शुरुआत भी कर दी है। एक बड़े कार्यक्रम में सीएम की मौजूदगी में एक लाख छात्र-छात्राओं को स्मार्ट फोन और टैबलेट दिए गए। इसे भाजपा का बड़ा दांव माना जा रहा है।

यूपी विधान सभा चुनाव से पहले योगी सरकार ने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन के मौके पर एक लाख युवाओं को फ्री टैबलेट और स्मार्ट फोन वितरित किए। इस दौरान सीएम योगी डिजि शक्ति पोर्टल और डिजि शक्ति अध्ययन ऐप भी लांच किया ताकि युवाओं को तकनीकी से जोड़ा जा सके। इसमें राज्य के हर जिले से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं शामिल हुए। सीएम योगी ने तकनीकी रूप से अपग्रेड करने के लिए एक करोड़ युवाओं को फ्री मोबाइल और टैबलेट देने की घोषणा की है। देश के इतिहास में यह पहली बार हो रहा है कि इतनी बड़ी संख्या में युवाओं को फ्री मोबाइल और टैबलेट दिया जा रहा है। आईटी एवं इलेक्ट्रानिक्स विभाग के विशेष सचिव कुमार विनीत ने बताया कि डिजि शक्ति पोर्टल पर 38 लाख से अधिक युवाओं का रजिस्ट्रेशन हो चुका है। अभी भी छात्रों का रजिस्ट्रेशन हो रहा है। सरकार की ओर से लावा, सैमसंग और एसर जैसी नामचीन कंपनियों को मोबाइल और टैबलेट की आपूर्ति के लिए ऑर्डर जारी किया गया था। दरअसल, युवाओं के बीच बेरोजगारी को लेकर काफी असंतोष था। भाजपा नहीं चाहती कि चुनाव के समय युवाओं का यह असंतोष बना रहे। भाजपा नेताओं को पता है कि यदि इन युवाओं ने भाजपा का साथ छोड़ दिया तो चुनाव में उसके लिए मुश्किल खड़ी हो जाएगी।

शिक्षकों की भर्ती करेगी सरकार

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव को देखते हुए सरकार किसी भी वर्ग को नाराज नहीं करना चाहती है। इसी कड़ी में 69000 शिक्षक भर्ती मामले में यूपी के बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी ने बताया कि विसंगति से प्रभावित लगभग 6000 अभ्यर्थियों की भर्ती की जाएगी। इसके अलावा 17000 खाली पदों पर भी भर्ती होगी। इसको लेकर बेसिक शिक्षा मंत्री ने आदेश भी जारी कर दिया है। बेसिक शिक्षा विभाग ने पत्र में कहा गया है कि 69000 शिक्षकों की भर्ती में 17000 आरक्षित पद जोड़े जाएंगे। शिक्षा विभाग ने इस बात को माना है कि आरक्षण में कुछ विसंगतियां थीं, जिसे अब दूर कर दिया गया है। 69000 शिक्षक भर्ती आरक्षण में विसंगतियों को दूर करने के लिए नए सिरे से 17000 शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। सहायक अध्यापक भर्ती में आरक्षण की प्रक्रिया में विसंगति से प्रभावित आरक्षित वर्ग के लगभग 6000 अभ्यर्थियों की भर्ती की जाएगी तथा इसके अतिरिक्त 17000 रिक्त पदों पर नयी भर्ती होगी। 29 दिसंबर तक अभ्यर्थियों की सूची तैयार कर ली जाएगी। 5 जनवरी तक अभिलेखों का परीक्षण होगा। वहीं, 6 जनवरी 2022 को योग्य अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया जाएगा।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

साइबर क्राइम का बढ़ता ग्राफ

उत्तर प्रदेश में साइबर क्राइम का ग्राफ तेजी से बढ़ता जा रहा है। साइबर अपराधी विभिन्न माध्यमों के जरिए लोगों को ठग रहे हैं। साइबर अपराधी तरह-तरह के हथकंडे अपना कर लोगों के खातों से पैसे उड़ा लेते हैं। इनके हौसले इस कदर बुलंद हो गए हैं कि ये सरकारी अफसरों को भी निशाना बनाने से नहीं चूक रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में साइबर क्राइम का ग्राफ तेजी से बढ़ता जा रहा है। साइबर अपराधी विभिन्न माध्यमों के जरिए लोगों को ठग रहे हैं। साइबर अपराधी तरह-तरह के हथकंडे अपना कर लोगों के खातों से पैसे उड़ा लेते हैं। इनके हौसले इस कदर बुलंद हो गए हैं कि ये सरकारी अफसरों को भी निशाना बनाने से नहीं चूक रहे हैं। वहीं दूसरी ओर प्रदेश के साइबर सेल और थाने इन पर नियंत्रण लगाने में नाकाम साबित हो रहे हैं। सवाल यह है कि साइबर अपराधों पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? अपराधियों के हौसले बुलंद क्यों हैं? क्या अप्रशिक्षित पुलिस बल के कारण हालात बिगड़ते जा रहे हैं? क्या लोगों में जागरूकता के अभाव का फायदा अपराधी उठा रहे हैं? आखिर साइबर थाने और पुलिस क्या कर रही है? क्या लोगों को साइबर अपराधियों के चंगुल से बचाने में सरकार नाकाम है?

इंटरनेट के साथ ही अपराध जगत में एक नए तरह के क्राइम का भी जन्म हुआ। इसे साइबर क्राइम कहा जाता है। इंटरनेट के जरिए साइबर अपराधी दुनिया के किसी कोने में बैठकर लोगों को निशाना बना सकता है। यही नहीं उसकी पहचान करना मुश्किल होने के कारण वह अक्सर पुलिस के शिकंजे से भी बच जाता है। दरअसल, ऑनलाइन मनी ट्रांसफर, सोशल नेटवर्किंग, ऑनलाइन शॉपिंग, डेटा स्टोर, गेमिंग, ऑनलाइन स्टडी और जॉब सर्च के दौरान लोग साइबर क्राइम के शिकार हो रहे हैं। बीते कुछ सालों से उत्तर प्रदेश में साइबर अपराध तेजी से बढ़े हैं। आंकड़ों के मुताबिक 2018 में साइबर अपराध के 6280 मामले सामने आए जबकि 2020 में इसकी संख्या सात हजार को पार कर गयी। वहीं इस साल दस हजार से अधिक साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज करायी जा चुकी हैं और पुलिस ने ढाई हजार से अधिक साइबर अपराधियों को पकड़ा है और छह करोड़ से अधिक की धनराशि बरामद की है। बावजूद इसके साइबर अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। पुलिस के सामने सबसे बड़ी समस्या यह होती है कि ठगी का शिकार व्यक्ति अपराधी का सही नाम-पता नहीं जानता है, ऐसे में अपराधी तक पहुंचना मुश्किल हो जाता है। इस तथ्य से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि तकनीकी की बेहतर जानकारी नहीं होने और जागरूकता के अभाव के कारण अधिकांश लोग साइबर क्राइम के शिकार हो रहे हैं। वहीं पुलिस भी अप्रशिक्षित होने के कारण इन अपराधियों पर तत्काल शिकंजा नहीं कस पा रही है। साफ है कि यदि सरकार प्रदेश में साइबर अपराध को खत्म करना चाहती है तो उसे हर जिले में साइबर थाने बनाने होंगे बल्कि यहां तैनात पुलिसकर्मियों को तकनीकी में दक्ष करना होगा। इसके अलावा उसे जनता को जागरूक भी करना होगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

काली कमाई के ठिकानों पर कसे शिकंजा

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में संसद में बताया गया है कि पनामा तथा पैराडाइज पेपर लीक मामले में भारत से संबद्ध 930 इकाइयों के संबंध में 20,353 करोड़ रुपये की राशि के कुल अघोषित जमा का पता चला है। बच्चन परिवार से जुड़ी कथित अनियमितताओं के कई मामले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच के दायरे में हैं। 'इंटरनेशनल कंसोर्टियम ऑफ इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स' (आईसीआईजे) द्वारा खुलासा किए गए मामलों में की गई निरंतर जांच से अब तक अघोषित विदेशी खातों में 11,010 करोड़ से अधिक जमा का पता चला है। बच्चन परिवार की बहू ऐश्वर्या राय से 20 दिसंबर को ईडी ने पनामा पेपर्स के मामले में चल रही जांच के सिलसिले में पूछताछ की है।

जहां पनामा पेपर्स और पैराडाइज पेपर्स के खुलासे होने पर केंद्र सरकार द्वारा देश की मशहूर हस्तियों की विदेश में गुप्त वित्तीय संपत्तियों की विस्तृत जानकारी हेतु बहु-एजेंसी जांच कराई जा रही है, वहीं अक्टूबर, 2021 से पैंडोरा पेपर्स के संबंध में मल्टी एजेंसी ग्रुप (एमएजी) ने अपनी बैठकें लगातार आयोजित करके जांच शुरू कर दी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के प्रमुख जेबी महापात्रा की अध्यक्षता में आयोजित इन बैठकों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), रिजर्व बैंक और वित्तीय इंटेलीजेंस यूनिट के अधिकारी शामिल हो रहे हैं। गौरतलब है कि पूरी दुनिया में 'इंटरनेशनल कंसोर्टियम ऑफ इन्वेस्टिगेटिव जर्नलिस्ट्स' द्वारा अक्टूबर, 2021 की शुरुआत में प्रकाशित पैंडोरा पेपर्स रिपोर्ट लगभग 1.2 करोड़ दस्तावेज़ों की एक ऐसी पड़ताल है, जिसे 117 देशों के 600 खोजी पत्रकारों की मदद से तैयार किया गया है। इस पड़ताल में पाया गया है कि भारत सहित दुनियाभर के 200 से ज्यादा देशों के बड़े नेताओं, अरबपतियों और मशहूर हस्तियों ने विदेशों में धन बचाने और अपने कालेधन के गोपनीय निवेश के लिए किस तरह टैक्स पनाहगाह देशों ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड, सेशेल्स, हांगकांग और बेलीज आदि में छुपाकर सुरक्षित किया हुआ है। रिपोर्ट में 300 से अधिक भारतीयों के नाम भी शामिल हैं। इनमें अनिल अंबानी, विनोद अडाणी, सचिन तेंदुलकर, जैकी श्राफ, करण मजूमदार, नीरा राडिया, सतीश शर्मा आदि शामिल हैं। वर्ष 2017 में पैराडाइज पेपर्स के तहत 1.34 करोड़ से अधिक गोपनीय इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों के माध्यम से 70 लाख लोन समझौते, वित्तीय विवरण, ई-मेल और ट्रस्ट डीड लीक किये थे। इनमें 714 भारतीयों के नाम उजागर हुए थे। इसके पहले वर्ष 2016 में पनामा पेपर्स के तहत 1 करोड़ 15 लाख संवेदनशील वित्तीय दस्तावेज लीक किये थे। इसमें वैश्विक कॉरपोरेटों के 'मनी लॉन्डरिंग' के रिकॉर्ड थे। 500 भारतीयों के नाम भी सामने आए थे। ये विभिन्न लीक फाइलें बताती हैं कि कैसे दुनिया के कुछ सबसे शक्तिशाली लोग अपनी संपत्ति छिपाने के लिए टैक्स हैवन्स देशों में स्थित शैल कंपनियों का इस्तेमाल करते हैं। टैक्स हैवन देश वे होते हैं, जहां नकली कंपनियां बनाना आसान होता है और बहुत कम टैक्स या शून्य टैक्स लगता है। टैक्स हैवन देशों की शैल कंपनियों में विश्व की कई ऊंची

हस्तियां अपना कालाधन जमा करती हैं। कालाधन का स्रोत कानूनी और गैर-कानूनी कोई भी हो सकता है। आपराधिक गतिविधियां जैसे अपहरण, तस्करी, निजी क्षेत्र में कार्यरत लोगों द्वारा की गई जालसाजी इत्यादि के माध्यम से अर्जित धन भी कालाधन कहलाता है। ड्रग ट्रेड, अवैध हथियारों का व्यापार, जबरन वसूली का पैसा, फिरौती और साइबर अपराध से कमाया गया पैसा भी शेल कम्पनियों में सुरक्षित कर दिया जाता है, ताकि यह कालाधन अपने देश में सफेद धन में बदल जाए। स्पष्ट है कि भ्रष्ट राजनेताओं से लेकर, नौकरशाह, व्यापारिक घराने और अपराधी तक अपने कालेधन को हवाला ट्रांसफर के जरिये टैक्स हैवन्स देशों में आराम से रख सकते हैं, इस तरह से वे बेईमानी से कमाया धन छिपाकर टैक्स से बच जाते हैं।

दुनिया के प्रसिद्ध गैर लाभकारी संगठन ऑक्सफेम इंडिया की नई रिपोर्ट के मुताबिक टैक्स चोरी की पनाहगाहों के इस्तेमाल से दुनियाभर में सरकारों को हर साल 427 अरब डॉलर के टैक्स का घाटा होता है। सबसे ज्यादा असर विकासशील देशों पर होता है। विकासशील देशों से बेइमानी का पैसा बाहर जाने की रफ्तार तेजी से बढ़ रही है और इसका विकास पर असर हो रहा है। स्विस नेशनल बैंक द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2020 तक स्विस बैंकों में भारतीय नागरिकों और कंपनियों का जमा धन 20,700 करोड़ से अधिक है। नेशनल काउंसिल ऑफ़ अप्लाइड इकॉनॉमिक रिसर्च के मुताबिक साल 1980 से 2010 के बीच भारत के बाहर जमा होने वाला काला धन 384 अरब डॉलर से लेकर 490 अरब डॉलर के बीच था।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि देश में भी कालेधन से निपटने के लिए अब से पहले इनकम डिक्लेयरेशन स्कीम, वॉलंटयरी डिस्क्लोजर स्कीम, टैक्स रेट को कम करना, 1991 के बाद व्यापार पर कंट्रोल हटाना, क़ानूनों में बदलाव जैसे कई कदम उठाए गए हैं। ऐसे विधान बनाए गए हैं जो कर अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने की अनुमति देते हैं कि करदाता कर चोरी नहीं करें। इसमें 'अपने ग्राहक को जानिए' (केवाईसी) की व्यवस्था जोड़ी गई, जिसमें किसी विशेष क्षेत्र में लेनदेन करने वालों को अपनी पूरी पहचान बतानी होती है ताकि दूसरे कार्यक्षेत्रों के साथ उस सूचना को साझा किया जा सके। लेकिन ऐसे विभिन्न प्रयासों के बावजूद कालेधन की बढ़ोतरी और देश से कालेधन को विदेश भेजे जाने की मात्रा में कोई प्रभावी कमी नहीं आई है। विदेशी बैंकों में जमा कालेधन के खाताधारकों की सूची मिलने की खबर मात्र को बड़ी सफलता नहीं माना जा सकता है। सफलता तभी मानी जाएगी जब विदेशों में जमा अधिकांश कालाधन सरकारी खातों में वापस आ जाएगा। अब पनामा पेपर्स, पैराडाइज पेपर्स और पैंडोरा पेपर्स लीक मामले में जांच का सामान्य रूटीन नहीं रहना चाहिए। चूंकि ये मामले प्रभावशाली सामाजिक व वित्तीय अभिजात्य वर्ग से संबंध रखते हैं, अतएव जांच संबंधी कार्रवाई कठोर होनी चाहिए। अब वैश्विक कर चोरी के ठिकानों को समाप्त करने के लिए आगे बढ़ना होगा।

नये अनुसंधानों से उपचार की तलाश

मुकुल व्यास

दुनिया में कोरोना वायरस द्वारा फैलाई गई महामारी कम नहीं हुई और अब ओमिक्रॉन जैसे वेरिएंट्स तेजी से फैल रहे हैं। ओमिक्रॉन से पुनर्संक्रमण का खतरा पांच गुणा ज्यादा है और इसने डेल्टा वेरिएंट से हल्का होने का कोई संकेत नहीं दिया है। ओमिक्रॉन के प्रकट होने के बाद वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि वर्तमान वैक्सीनें और बूस्टर डोज सार्स-कोव-2 के नए स्ट्रेन के खिलाफ कितनी प्रभावी हैं। वैज्ञानिक और स्वास्थ्य विशेषज्ञ इस बात से चिंतित हैं कि वैक्सीन की दो डोज लेने वाले लोग और कोविड से ठीक हो चुके लोग भी ओमिक्रॉन की चपेट में आ रहे हैं। तेजी से अपने अवतार बदलने वाले वायरस को रोकना एक बड़ी चुनौती है।

नए वेरियंट पर काबू पाने के लिए पश्चिमी देशों ने बूस्टर डोज लगाना शुरू कर दिया है। मॉडर्ना कंपनी का दावा है कि उसकी बूस्टर डोज ओमिक्रॉन के खिलाफ प्रभावी होगी। फाइजर को भी अपनी तीसरी डोज पर भरोसा है। वैक्सीन निर्माताओं के दावों के बावजूद अभी कोई भी पूरे विश्वास के साथ यह नहीं कह सकता कि ये वैक्सीनें ओमिक्रॉन के प्रसार को रोक पाएंगी। वायरस के नए वेरिएंट को रोकने के लिए वैज्ञानिकों को निरंतर कुछ नया सोचना पड़ेगा। अमेरिका में येल विश्वविद्यालय में इम्यूनोबायोलॉजी की प्रोफेसर अकिको इवासाकी का कहना है कि वायरस के नए म्यूटेशन का मुकाबला हमारे फेफड़ों के प्रवेश द्वार पर किया जा सकता है। एक नए अध्ययन में अकिको और उनकी सहयोगियों ने पाया कि नाक के जरिए दी जाने वाली इंट्रानेजल वैक्सीन चूहों में श्वास नली के विभिन्न वायरसों के खिलाफ एक व्यापक कवच प्रदान करने में सफल रही जबकि इंजेक्शन के जरिए दी जाने वाली वैक्सीन सुरक्षा देने में पूरी तरह सफल नहीं रही। इवासाकी ने कहा कि फेफड़ों के प्रवेश मार्ग पर ही सबसे अच्छी इम्यून सुरक्षा दी जा सकती है और फेफड़ों में घुसने की कोशिश कर रहे वायरसों को रोका जा सकता है। दरअसल, नाक के भीतर की त्वचा पर ऊतकों की एक पतली परत होती है। इसे म्यूकस मेम्ब्रेन कहा जाता है। इस मेम्ब्रेन के पास अपना एक अलग इम्यून सुरक्षा सिस्टम होता है जो हवा या खाद्य वस्तु के जरिए आने वाले रोगाणुओं को रोकता है। चुनौती मिलने पर ये अवरोधक ऊतक बी कोशिकाएं उत्पन्न करते हैं। ये कोशिकाएं इम्यूनोग्लोबिन ए (आईजी ए) नामक एंटीबॉडीज उत्पन्न करती हैं। ये एंटीबॉडीज नाक, पेट और फेफड़ों की म्यूकस मेम्ब्रेन पर स्थानीय रूप से काम करती हैं जबकि सामान्य वैक्सीनें पूरे शरीर के हिसाब से सुरक्षा प्रदान करती हैं। आंतों के रोगाणुओं से निपटने में इम्यूनोग्लोबिन ए उत्पन्न करने वाली कोशिकाओं की सुरक्षात्मक भूमिका भलीभांति स्थापित हो चुकी है। इवासाकी की टीम ने यह पता लगाने की कोशिश की कि क्या श्वास प्रणाली के वायरसों के खिलाफ भी आईजी ए एंटीबॉडीज को सक्रिय किया जा सकता है। न्यूयॉर्क में माउंट सिनाई स्थित आईकान स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं ने चूहों में इस तरह का इम्यून रिपांस उत्पन्न करने के लिए एक प्रोटीन-आधारित वैक्सीन का परीक्षण किया। उन्होंने चूहों के एक समूह को सामान्य इंजेक्शन के जरिए यह वैक्सीन दी जबकि दूसरे समूह को नाक के जरिए यह वैक्सीन पहुंचाई गई। दोनों समूहों को इन्फ्लूएंजा वायरसों की विविध किस्मों से एक्सपोज किया गया। उन्होंने पाया कि जिन चूहों को नाक से वैक्सीन दी गई वे इंजेक्शन लेने वाले चूहों की तुलना में इन्फ्लूएंजा से ज्यादा सुरक्षित थे। इवासाकी ने बताया कि सिर्फ नेजल वैक्सीन ही फेफड़ों में आईजी ए एंटीबॉडीज पहुंचाने में कामयाब रही। येल विश्वविद्यालय की टीम अब जानवरों के मॉडलों पर कोविड की विभिन्न किस्मों के खिलाफ नेजल वैक्सीन का परीक्षण कर रही है। इवासाकी का कहना है कि यदि नाक के जरिए दी जाने वाली वैक्सीन मनुष्यों में सुरक्षित और कारगर सिद्ध होती है तो इसका प्रयोग वर्तमान वैक्सीनों और बूस्टर वैक्सीनों के साथ मिला कर किया जा सकता है।

वैज्ञानिकों के एक अन्य दल ने पता लगाया है कि शार्क मछली के इम्यून सिस्टम में मौजूद एंटीबॉडी जैसे प्रोटीन न सिर्फ कोविड उत्पन्न करने वाले वायरस को रोकते हैं बल्कि ओमिक्रॉन जैसे उसके विभिन्न वेरिएंट्स का भी मुकाबला कर सकते हैं। वीएनएआर नामक ये प्रोटीन आकार में मानव एंटीबॉडीज से बहुत छोटे हैं। ये इतने सूक्ष्म होते हैं कि ये उन स्थानों में भी प्रवेश कर सकते हैं जहां मानव एंटीबॉडीज नहीं पहुंच सकतीं। अमेरिका में विस्कोंसिन-मेडिसन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आरोन लेबीयू और उनकी टीम ने तीन खास वीएनएआर की पहचान की है। लेबीयू ने कहा कि हम शार्क के वीएनएआर प्रोटीनों से ऐसी चिकित्सा विधि विकसित कर रहे हैं जो भविष्य में सार्स जैसे प्रकोपों को रोकने में मदद करेगी। शोधकर्ताओं ने बताया कि 3बी4 प्रोटीन मेर्स वायरस को भी निष्प्रभावी करने में सफल रहा जो सार्स वायरसों का रिश्तेदार है। विविध कोरोना वायरसों के कुछ खास स्थानों के साथ जुड़ने की 3बी4 प्रोटीन की काबलियत उसे संक्रामक वायरसों के खिलाफ एक प्रभावी हथियार बनाती है। डेल्टा जैसे सार्स-कोव-2 के विभिन्न वेरिएंट्स में भी 3बी4 प्रोटीन के जुड़ने के स्थान में कोई परिवर्तन नहीं हुआ।

ठंड का कहर

बच्चों और बुजुर्गों की सेहत का रखें खास ध्यान

पूरे उत्तर भारत में सर्दी ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। दिल्ली की बात करें तो दिल्ली सबसे ठंडी रही जब न्यूनतम तापमान 3.7 डिग्री पर पहुंच गया। दिल्ली, एनसीआर में फिलहाल शीतलहर चल रही है जो अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगी और न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री पर जा सकता है। गुरुग्राम का तापमान भी दिल्ली से पीछे नहीं है। यहां का न्यूनतम तापमान तीन डिग्री दर्ज किया जा चुका है। इस तरह के मौसम में गर्म कपड़े पहनने के बाद भी बीमार पड़ने की आशंका बढ़ जाती है और सबसे ज्यादा ख्याल घर के बुजुर्गों और बच्चों का रखना पड़ता है। साथ ही मरीजों को भी इस मौसम में विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

दिल के मरीज रखें ध्यान

सर्दी का मौसम खासकर शीतलहर और जबरदस्त ठंड वाला मौसम हार्ट के मरीजों के लिए खतरे की चेतावनी लेकर आता है। विशेषज्ञों की मानें तो सर्दियों में ब्लड वेसल्स यानी रक्तवाहिनियां सिकुड़ जाती हैं जिसका सीधा असर दिल तक खून पहुंचाने वाली धमनियों पर पड़ता है और हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। इससे बचने के लिए ज्यादा ठंडे माहौल में जाने से बचना चाहिए। अगर बाहर निकलना जरूरी हो तो अच्छी तरह से ऊलेन कपड़े पहनकर निकलें। सिर पर टोपी, हाथ में ग्लब्स और पैरों में सॉक्स पहनना न भूलें। अस्थमा, ब्लड प्रेशर और हृदय रोगियों को अपनी दवा टाइम से लेनी चाहिए। ठंड से बचने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि सर्दी होने के बावजूद पानी जरूर पीएं।

ठंड का मौसम आया नहीं कि बच्चों और बुजुर्गों के बीमार पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में कुछ जरूरी सावधानियां बरतकर आप मौसमी बीमारियों से बच सकते हैं। साथ ही हेल्दी और फिट भी रह सकते हैं।

बुजुर्ग बरतें सावधानी

- सुबह और शाम की सर्दी बुजुर्गों के लिए खतरनाक होती है इसलिए जिस दिन ज्यादा ठंड हो उस दिन मॉर्निंग और ईवनिंग वॉक न करें।
- ज्यादा फैट वाली चीजें न खाएं और सिगरेट शराब आदि का सेवन बिल्कुल बंद कर दें।
- अपने कलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर पर नियंत्रण रखें। नमक का सेवन कम करें। मक्खन व घी का प्रयोग भी सीमित मात्रा में करें।
- जहां तक संभव हो तनाव से बचें।
- गुनगुनी धूप का आनंद लें लेकिन सिर को अधिक तपने न दें।
- मीठा अधिक खाने से बचें। फ्रूट और सब्जियों का सेवन ज्यादा करें। थोड़ा-थोड़ा व्यायाम जरूर करें।

- सर्दी-जुकाम से बचने के लिए नाक पर रूमाल लगाकर छीकें, सिर को ढंककर रखें।

बच्चों का ऐसे रखें खयाल

ठंड का मौसम बच्चों के लिए सबसे ज्यादा खतरनाक साबित हो सकता है। ऐसे में उनका खास ध्यान रखने की जरूरत होती है।

- सर्दी में बच्चों को बुखार व लूज मोशन हो सकता है। इन्हें नजरअंदाज न करें।
- बच्चों को ऐसी चीजों से बचाना चाहिए, जो उन्हें बीमार कर दे। बाहर के खाने से भी बचें।
- पानी को उबाल कर गुनगुना पानी ही बच्चे को पिलाएं। अधिक तेल और मसाले वाले खाने से परहेज करें।
- छह महीने तक के बच्चों के लिए सावधान रहना चाहिए। गर्म कपड़े पहनाकर उन्हें ठंडे वातावरण से बचाना चाहिए।
- स्कूल जाने वाले बच्चों को अच्छी तरह से गर्म कपड़े पहनाएं और पूरा शरीर ढंककर ही घर से बाहर निकलने दें।
- बच्चों को किसी भी तरह के इंफेक्शन से बचाने के लिए उनके हाथ साबुन से अच्छी तरह से धोते रहें।

हंसना मना है

पत्नी दर्द से कराहते हुए- सुनो... मेरे सीने में बहुत तेज दर्द हो रहा है। शायद हार्ट अटैक आया है, जल्दी से एंबुलेंस बुलवाओ ना...पति (जल्दी-जल्दी में)- ठीक है फोन करता हूं। जरा, अपने मोबाइल का पासवर्ड बताओ...
पत्नी- चलो रहने दो, अभी रुक जाओ पहले से ठीक लग रहा है...कल क्लीनिक पर जाकर दिखा लेंगे।

परम सत्य ज्ञान...
99 प्रतिशत सास अपनी बहुओं को महारानी नाम से बुलाती हैं...फिर भी बहुएं खुश नहीं होतीं

संता: शादी के कार्ड में वर-वधू के नाम के आगे लिखे चि. और सौ. का क्या मतलब होता है...? बंता - पता नहीं, तू ही बता दे। संता - इसका मतलब होता है कि शादी के बाद जब पत्नी उसे 'सौ' सुनाएगी, तब पति 'चि' भी नहीं करेगा।

लड़की पिज्जा खाते हुए रोमांटिक अंदाज में ब्वॉयफ्रेंड से बोली: कुछ ऐसा कहो कि मेरा दिल जोर से धड़के। ब्वॉयफ्रेंड: मेरे पास पैसे नहीं हैं।

परम सत्य ज्ञान... समझदार पत्नी वही होती है जो अपने पति को बार-बार खर्चा करवाकर ऐसी हालत कर दे कि वो दूसरी औरत के बारे में सोचना ही छोड़ दे।

कहानी | विनीलक कौवे की कहानी

एक बार एक स्वर्णिम राज-हंस मिथिला में रुका, जहां उसने एक कौवी के साथ सहवास किया, जिससे काले मेघ के समान एक कौवा पैदा हुआ, जिसका नाम उसके वर्ण और छवि के अनुकूल विनीलक रखा गया। कुछ ही दिनों में हंस और कौवी अलग-अलग हो गए और हंस फिर से हिमालय के निकटवर्ती एक सरोवर में वास करने लगा। वहां उसने एक सुंदर हंसी के साथ विवाह कर एक नया घर-संसार बसाया। हंसी ने दो सुंदर सफेद हंसों को जन्म दिया। हंस-पुत्र जब बड़े हो गये और उन्हें विनीलक के अस्तित्व का ज्ञान हुआ तो पिता की आज्ञा ले, वे विनीलक से मिलने मिथिला जा पहुंचे। गंदे कूड़े के ढेर पर रहते विनीलक को उन्होंने अपने साथ पिता के पास हिमालय चलने का निमंत्रण दिया। विनीलक ने उनका निमंत्रण सहर्ष स्वीकार कर लिया। तब दोनों ही हंसों ने एक लकड़ी के दोनों छोरों से पकड़ विनीलक को उस पर सवार होने का आग्रह किया। जब विनीलक ने वैसा किया तो उन्होंने हिमालय की तरफ उड़ना आरम्भ कर दिया। मार्ग में उन्हें मिथिला के राजा विदेह की सवारी दिखाई पड़ी, जिसे चार सफेद घोड़े खींच रहे थे। राजा की सवारी देख विनीलक चिल्ला उठा देख! राजा की सवारी उसके सफेद घोड़े जमीन पर खींच रहे हैं किन्तु मेरी सवारी तो सफेद अनुचर आसमान पर! दोनों हंसों को कौवे की अपमान-जनक वाणी से क्रोध तो बहुत आया मगर पिता की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए उन्होंने उसे नीचे नहीं गिराया और हिमालय में लाकर पिता के सामने रख दिया। फिर उन्होंने विनीलक के अपशब्दों से भी पिता को अवगत कराया। विनीलक के गुणों को सुन पिता ने अपने दोनों पुत्रों को फिर से विलीलक को मिथिला छोड़ आने को कहा क्योंकि वह हिमालय पर रहने योग्य नहीं था। तब हंसों ने उसे उठाकर फिर मिथिला पहुंचा आए जहां वह मलों के ढेर में अपना वास बना कांव-कांव करता हुआ रहने लगा।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नौकरी में अच्छे अवसर मिलेंगे। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नए कारोबारी अनुबंध हो सकते हैं।

वृषभ

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। हाथ तंग रहेगा। किसी व्यक्ति से व्यर्थ में विवाद हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। भावनाओं को वश में रखें। बड़ों की सलाह लें।

मिथुन
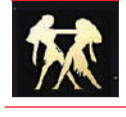
बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभ देगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क

किसी भी कानूनी फेर में न पड़ें। वाणी पर संयम रखें। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

सिंह

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबारी कामकाज मनोनुकूल लाभ देंगे। अनहोनी की आशंका रहेगी।

कन्या
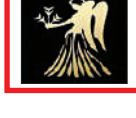
धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कामों में सफलता प्राप्त होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

तुला

शारीरिक कष्ट संभव है। चोट व रोग से बचें। आराम के साधनों पर खर्च होगा। लेखन व पठन-पाठन में समय व्यतीत हो सकता है। सफलता प्राप्त करेंगे। यात्रा मनोरंजक हो सकती है।

वृश्चिक

परिवार के छोटे सदस्यों की अध्ययन संबंधी चिंता रह सकती है। दुष्टजनों से सावधान रहें। स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। कोई कारोबारी बड़ा सौदा बड़ा लाभ दे सकता है।

धनु
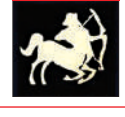
पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद संभव है। क्लेश रहेगा। मन में दुविधा रहेगी। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है।

मकर

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ

दांपत्य जीवन सुखमय व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। किसी भी विवाद में न पड़ें। प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धनार्जन होगा।

मीन

शत्रुता बढ़ सकती है। वाणी में नियंत्रण आवश्यक है। कुंआरों के लिए वैवाहिक प्रस्ताव आ सकता है। शारीरिक समस्या हो सकती है। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी।

भोजपुरी | मन की बात

मुझे मां बनने के फैसले पर गर्व है : नुसरत जहां

ऐक्ट्रेस और तृणमूल कांग्रेस सांसद नुसरत प्रोफेशनल से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। पहले निखिल जैन संग उनका रिश्ता टूटा, फिर उन्होंने प्रेग्नेंसी का ऐलान कर सभी को चौंका दिया। उन्होंने हाल ही में बेटे को जन्म दिया और फिर बेटे का पिता कौन है? इस पर खूब सवाल उठे। अब नुसरत ने ऐसे ही कई सवालों पर चुप्पी तोड़ी है और ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया है। नुसरत जहां ने एक चैट शो के दौरान कई चीजों का खुलासा किया है। उन्होंने कहा, मैं सिंगल मदर नहीं हूं। मेरे बेटे का नॉर्मल पिता है और नॉर्मल मां है। बता दें कि नुसरत ने पिछले साल अगस्त महीने में बेटे यीशान को जन्म दिया था। उनके बर्थ सर्टिफिकेट पर पिता के नाम के रूप में यश दासगुप्ता का नाम लिखा है। तब खुलासा हुआ था कि नुसरत के बेटे के पिता यश ही हैं। सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर नुसरत का कहना है, ये मेरी जिंदगी है। मैंने फैसला लिया है, जो समझदारी भरा है। मैंने कोई गलती नहीं की है। मैं बहुत बोल्ड रही हूं और मुझे अपने मां बनने के फैसले पर बहुत गर्व है। बता दें कि नुसरत जहां उस समय चर्चा में आ गई थीं, जब उन्होंने खुलासा किया था कि 2019 में निखिल जैन के साथ तुर्की में हुई उनकी शादी भारतीय कानूनों के तहत मान्य नहीं थी। वहीं, बिजनेसमैन निखिल ने दावा किया था कि उन्होंने नुसरत से कई बार शादी के रजिस्ट्रेशन के लिए कहा था, लेकिन वो हमेशा इसे टालती थीं। निखिल जैन संग रिश्ता टूटने के बाद ही नुसरत का नाम यश दासगुप्ता से जुड़ा था। हालांकि, ऐक्ट्रेस ने उस समय कभी इस पर खुलकर बात नहीं की।

फिर फैंस का मनोरंजन करने आ रहे हैं उदय और मजनू भाई

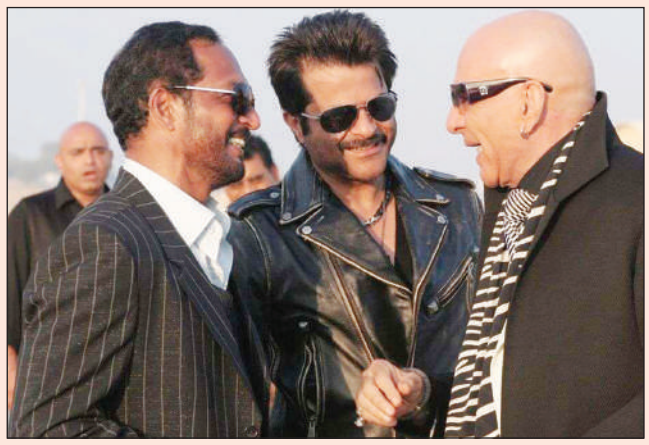

बॉलीवुड | मसाला

साल 2007 में आई अक्षय कुमार, नाना पाटेकर, अनिल कपूर और परेश रावल की हिट फिल्म वेलकम लोगों को काफी पसंद आई थी और इसके बाद साल 2015 में फिल्म का सीक्वल वेलकम बैक रिलीज हुई। ये भी खासी हिट हुई थी। इसके बाद से ही फिल्म का तीसरा सीक्वल चर्चा में था। फैंस फिल्म के तीसरे सीक्वल को लेकर काफी एक्साइटेड थे। अब फिल्म के तीसरे सीक्वल को लेकर एक बड़ा अपडेट आया है।

खबरें हैं कि फिल्म के तीसरे सीक्वल Welcome x की शूटिंग अगले साल के दूसरे हाफ में शुरू होगी। एक करीबी सूत्र मुताबिक पिछली फिल्मों में से कुछ अपनी वापसी करेंगी, लेकिन निर्माता इस बार बहुत बड़ी कास्ट करने की योजना बना रहे हैं। निर्माता फिरोज नाडियाडवाला फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाना चाहते है, जबकि यह एक एक्शन-कॉमेडी होगी। ये खबर फैंस को काफी एक्साइट कर रही है।

इस हफ्ते की शुरुआत में, निर्देशक अनीस बज्मी ने एक मजेदार पोस्ट के साथ वेलकम के 14 साल पूरे होने का जश्न मनाया। फिल्म को याद करते हुए, उन्होंने मजनू भाई की प्रसिद्ध कॉमिक पेंटिंग साझा की, जिसमें एक घोड़े के ऊपर एक गधा है। कैप्शन में उन्होंने लिखा, रिलीज हुए 14 साल हो गए हैं और यह पेंटिंग आज भी मीम्स में फेमस है, आपको आभारी महसूस कराता है जब आपने जो कुछ बनाया इतने सालों के बाद भी हंसी फैला रहा है। #14 Years Of Welcome. जिस दिन में ब्रश उठा हूं, हम दिन स्क्रिप्ट नई उठा।

आपको बता दें कि वेलकम फ्रेंचाइजी की फिल्में लोगों को काफी पसंद आती हैं। फिरोज नाडियाडवाला की ये फिल्म फ्रेंचाइजी अभी तक दो फिल्में बना चुकी है और दोनों ही लोगों को पसंद आई हैं। फिल्म के दूसरे सीक्वल के बाद से ही फैंस तीसरे पार्ट के लिए खासे रोमांचित हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार होंगे या नहीं, इसके बारे में तो आधिकारिक ऐलान के बाद ही पता चलेगा। बाकी फिल्म के लिए कुछ स्टार्स का नाम तो फाइनल कर दिया गया है। लोग अगली वेलकम के लिए एक्साइटेड हैं।

रिलीज होते ही फिल्म 83 को बायकॉट करने की मांग

रणवीर सिंह की नई फिल्म 83 सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म के रिलीज होते ही इंटरनेट पर बवाल भी शुरू हो गया है। ट्विटर पर सुबह से ही सुशांत सिंह राजपूत के फैंस ट्वीट करके फिल्म 83 को बायकॉट करने की मांग कर रहे हैं। सुशांत सिंह राजपूत के फैंस का कहना है कि रणवीर सिंह ने उनके पसंदीदा एक्टर का मृत्यु के बाद मजाक उड़ाया था, जिस कारण फिल्म 83 बायकॉट होनी चाहिए। इससे रणवीर सिंह को सबक मिलेगा कि किसी मृत इंसान का मजाक नहीं उड़ाना चाहिए।

एक्टर सुशांत सिंह राजपूत ने बीते साल फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। सुशांत की मृत्यु के बाद पता चला था कि वो बाजीराव मस्तानी और रामलीला के लिए पहली पसंद थे लेकिन ये दोनों फिल्में रणवीर सिंह को दे दी गईं। इस खुलासे से सुशांत सिंह राजपूत के फैंस काफी नाराज हुए थे। सुशांत की मृत्यु के बाद रणवीर सिंह ने एक एड फिल्म की, जिसमें उन्होंने साइंस को लेकर कुछ मजाक किया था। सुशांत सिंह राजपूत जब जीवित थे तब वो साइंस के बारे में काफी बातें करते थे। रणवीर की ये एड फिल्म सुशांत के फैंस के गले नहीं उतरी और उन्होंने रणवीर सिंह की क्लास लगा दी। इसके बाद से ही जब भी रणवीर सिंह की कोई नई फिल्म सामने आती है तो सुशांत के फैंस उन पर टूट पड़ते हैं। कुछ लोगों ने इस फिल्म को बॉयकॉट करने की कुछ अलग ही वजह बताई है। एक यूजर्स ने कहा है, याद रखिए, यदि आप अपने पैसे यहां खर्च करेंगे तो फिर से उसका इस्तेमाल ये लूजर्स ड्रग्स खरीदने में करेंगे। यही कारण है कि कई यूजर्स #Boycott83 के साथ हैशटैग #BoycottBoll42ood भी ट्रेंड करने की अपील कर रहे हैं। कुछ यूजर्स का कहना है कि इस फिल्म को देखकर एंटी नेशनल इंडस्ट्री बनाने से बेहतर है कि 1983 मैच घर में देख लें और इस जीत की यादों को ताजा कर लें। ऑरिजनल से बेहतर कुछ नहीं होता।

फिल्ममेकर कबीर खान के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में रणवीर-दीपिका के अलावा पंकज त्रिपाठी समेत कई कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। यह फिल्म 1983 में भारतीय क्रिकेट टीम की वर्ल्ड कप की जीत पर आधारित है।

अजब-गजब | ये हैं Christmas की अजीबोगरीब मान्यताएं

कहीं घर से बाहर जूते फेंकते हैं तो कहीं छुपायी जाती है झाड़ू

पूरी दुनिया में क्रिसमस का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। हर तरफ लोग खुशियां मना रहे हैं और प्रभु यीशु के जन्म के उत्सव डूबे हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि दुनिया के अलग-अलग देशों में क्रिसमस अलग-अलग ढंग से मनाया जाता है। हर देश की अपनी कुछ मान्यताएं हैं जो लोगों को बेहद विचित्र लग सकती हैं मगर ये मान्यताएं पिछले काफी वक्त से लोग मानते आ रहे हैं। चलिए आपको बताते हैं दुनिया की कुछ प्रमुख मान्यताएं। नॉर्वे में क्रिसमस के दिन माना जाता है कि बुरी आत्माएं धरती पर आती हैं और घरों से झाड़ू चुराकर आसमान में घूमने लगती हैं। इस वजह से नॉर्वे के लोग घरों से झाड़ू समेत साफ-सफाई की अन्य चीजें भी छुपा देते हैं। यही नहीं, पुरुष घर के बाहर हवा में गोलियां चलाते हैं जिससे वो बुरी आत्माओं को निशाना बना सकें। नॉर्वे में क्रिसमस के दिन माना जाता है कि बुरी आत्माएं धरती पर आती हैं और घरों से झाड़ू चुराकर आसमान में घूमने लगती हैं। इस वजह से नॉर्वे के लोग घरों से झाड़ू समेत साफ-सफाई की अन्य चीजें भी छुपा देते हैं। यही नहीं, पुरुष घर के बाहर हवा में गोलियां

चलाते हैं जिससे वह बुरी आत्माओं को निशाना बना सकें। स्वीडन के गावले शहर में लोग प्लास्टिक के स्ट्रॉ का इस्तेमाल कर के विशाल बकरी बनाते हैं। ये बकरी क्रिसमस आने का संकेत होती है। हर साल लोग सैंटा क्लॉज बनकर बकरी को जलाने की कोशिश करते हैं। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार 1966 से अबतक सिर्फ 10 बार बकरी सुरक्षित बच पाई है। वेनेजुएला के कैराकास में क्रिसमस ईव से ही सड़कों पर गाड़ियां चलने पर प्रतिबंध लगा दिया जाता है। ये मान्यता सालों से चली आ रही है। इस दिन सड़कें साफ कर दी जाती हैं जिससे लोग स्केटिंग करते हुए चर्च तक जाते हैं। चेक गणराज्य में अविवाहित महिलाएं अपने घर के दरवाजे पर सड़क की ओर पीठ कर के खड़ी होती हैं और उसी तरह अपनी सैंडल घर से बाहर फेंकती हैं। अगर सैंडल घर के दरवाजे की ओर यानी महिला की ओर मुंह करके गिरती है तो ये माना जाता है कि अगले ही साल महिला की शादी हो जाएगी लेकिन अगर ऐसा नहीं होता तो महिला को शादी के लिए इंतजार करना पड़ता है। रूस और यूक्रेन के कुछ हिस्सों में जुलिअन कैलेंडर का इस्तेमाल किया जाता है इसलिए रूसी चर्च में ईसा मसीह का जन्म 7 जनवरी को मनाया जाता है। इस दिन जश्न होता है और लोग धूमधाम से क्रिसमस मनाते हैं। दुनिया के दूसरे भागों में सेंटा क्लॉज का स्वागत मिठाई और दीवारों पर मोजे टांग कर होता है मगर आयरलैंड में मिन्स नाम की पाय और गिनीज नाम की आयरिश शराब से किया जाता है। स्लोवाकिया में क्रिसमस डिनर से पहले परिवार का मुखिया ट्रेडिशनल डिश लोकसा को एक चम्मच में लेकर हवा में छत की ओर उछालता है। जितनी ज्यादा डिश छत से चिपकती है, उतनी ज्यादा फसल अगले साल अच्छी होती है।

पिछले 85 सालों से चल रहा है ये सांता स्कूल सिर्फ मोटे-तोंद वालों का होता है एडमिशन

क्रिसमस की धूम अब चरम पर है। आज यानी 25 दिसंबर को पूरी दुनिया क्रिसमस मना रही है। क्रिसमस यानी सांता क्लॉज । जी हां, अगर क्रिसमस का जिक्र हो और उसमें सांता न आए, ऐसा भला कैसे हो सकता है लेकिन क्या आपने कभी उस स्कूल के बारे में सुना है जिसमें सांता तैयार किया जाता है? जी हां, अमेरिका के मिशिगन में एक ऐसा स्कूल है, जहां पिछले 85 साल से सांता की ट्रेनिंग दी जाती है। इस स्कूल में एडमिशन के बाद लोगों को सांता की तरह एक्ट करने की ट्रेनिंग दी जाती है। मिशिगन में स्थित Charles W Howard Santa Claus School में पिछले 85 साल से सांता की ट्रेनिंग दी जा रही है। ये स्कूल 1937 से शुरू हुआ था। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड्स के मुताबिक, ये अपनी तरह का सबसे पुराना स्कूल है। इसमें सांता की तरह एक्ट करने की ट्रेनिंग दी जाती है। इस साल ये स्कूल अपना 85वां एनिवर्सरी मनाएगा। इस स्कूल में तीन सौ से ज्यादा स्टूडेंट हर साल पास होते हैं। इसमें स्टूडेंट्स को सांता की तरह डांस करना और जिंगल बेल गाना सिखाया जाता है। इसके अलावा लाल रंग के कपड़े पहनकर मात्र तीस सेकंड में सांता की तरह तैयार होने की ट्रिक सिखाई जाती है। बात अगर इस स्कूल की करें तो इसे एक किसान ने खोला था। इस स्कूल में एडमिशन के लिए सिर्फ आपको मोटा होना जरुरी है। स्कूल में कई तरह के कोर्स करवाए जाते हैं। इसमें पुराने दोस्तों से मिले और नए दोस्त बनाएं जैसी चीजें सिखाई जाती है। इस स्कूल में पढ़ने वाले स्टूडेंट्स इसकी तारीफ करते नहीं थकते। यहां कई-कई सांता पास आउट होकर अमेरिका के कई कोनों में खुशियां बांटने जाते हैं। अभी इस स्कूल के प्रिंसिपल टॉम और होली वलेंट है। आज भी इस स्कूल में एडमिशन के लिए लोगों की लाइन लगी रहती है।

डराने लगी ओमिक्रॉन की रफ्तार, यूपी समेत 19 राज्यों में फैला वेरिएंट

» देश में 500 के पार पहुंचे ओमिक्रान के मामले, दस राज्यों में टीमें तैनात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश में ओमिक्रॉन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। रविवार को महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 31 नए मामले मिले। यही नहीं केरल में ओमिक्रॉन के 19, तेलंगाना में तीन, आंध्र प्रदेश में दो, हिमाचल प्रदेश में एक, ओडिशा में चार, चंडीगढ़ में दो और मध्य प्रदेश में नौ मामले दर्ज किए गए। इसके साथ ही देश में ओमिक्रॉन के संक्रमितों की संख्या बढ़कर 500 से अधिक हो गई है। सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट्र में सामने आए हैं। इसके बाद दिल्ली का नंबर है। हिमाचल प्रदेश में ओमिक्रॉन का पहला केस दर्ज किया गया है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन के 141 मिले हैं। दिल्ली में 79, केरल में 57, तेलंगाना में 44, गुजरात में 43 तमिलनाडु में 34, कर्नाटक में 31, राजस्थान में 22, हरियाणा में 10, मध्य प्रदेश में 9, ओडिशा में 8, बंगाल में 6, आंध्र प्रदेश में 6, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश और चंडीगढ़ में तीन-तीन, लद्दाख, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में एक-एक केस मिले हैं। वहीं देश में बीते 24 घंटे में कोरोना के 6,987 नए मामले सामने आए हैं जबकि इस दौरान 162 मरीजों की संक्रमण से मौत हो गई है। इसके साथ ही देश में कोरोना संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर 3,47,86,802 हो गया है जबकि मृतकों की संख्या बढ़कर 4,79,682 हो गई है। राहत की बात यह है कि बीते 59 दिनों से कोरोना संक्रमण के दैनिक मामले 15 हजार से कम ही रहे हैं। मौजूदा वक्त में रिकवरी रेट बढ़कर 98.40 प्रतिशत हो गई है जो मार्च 2020 के बाद से सबसे अधिक है। ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों को देखते हुए केंद्र सरकार ने 10 राज्यों केरल, महाराष्ट्र, बिहार, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, बंगाल, मिजोरम, कर्नाटक, झारखंड और पंजाब में केंद्रीय टीमें तैनात की हैं। ये टीमें राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों के साथ मिलकर ट्रेसिंग-ट्रैकिंग के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देंगी।

यूपी में सतर्कता बरतने का आदेश

लखनऊ। देश के साथ उत्तर प्रदेश में भी कोरोना वायरस संक्रमण के नए केस में बढ़ोतरी को देखते हुए 25 दिसंबर की रात से कोरोना नाइट कर्फ्यू लगाया गया है। मुख्यमंत्री ने टीम-नाइन को नाइट कर्फ्यू का सख्ती से अनुपालन कराने का निर्देश दिया है। बीते 24 घंटे की टेस्ट रिपोर्ट में 59 नए संक्रमित मिले हैं। नए संक्रमित की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सीएम ने अन्य राज्यों अथवा विदेश से उत्तर प्रदेश की सीमा में आने वाले हर एक व्यक्ति की ट्रेसिंग व टेस्टिंग करने का आदेश दिया है। सभी जगह पर बस, रेलवे और एयरपोर्ट पर अतिरिक्त सतर्कता बरती जाए। निगरानी समितियों के माध्यम से गांव-शहरी वार्डों में बाहर से आने वाले हर एक व्यक्ति की टेस्टिंग कराएं। आवश्यकतानुसार लोगों को क्वारंटीन कर मेडिकल किट उपलब्ध कराया जाए। इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर सातों दिन 24 घंटे एक्टिव मोड में रखे जाएं।

विशेष दर्जे की मांग को लेकर भाजपा-जदयू में तकरार

» नीति आयोग से मानक में बदलाव करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जदयू बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की लगातार मांग कर रहे हैं वहीं सहयोगी भाजपा इसका विरोध कर रही है। इस मसले पर सत्ता पर काबिज दोनों दलों के बीच मतभेद बढ़ता जा रहा है। हालांकि इसके बाद भी दोनों पार्टियां उत्तर प्रदेश विधान सभा का चुनाव मिलकर ही लड़ेंगी।

भाजपा की ओर से पंचायती राज मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार को विशेष राज्य दर्जा देने का कोई औचित्य नहीं है। यह जदयू का एजेंडा है। सरकार में भाजपा के 16 मंत्री हैं। एक-दूसरे के सहयोग से सरकार चल रही है। 2005 से 2021 तक बिहार बन रहा है। गांव-गांव तक सड़क बन गई। बिजली उत्पादन में भी हम आगे बढ़ रहे हैं। अटल जी ने बीआरजीएफ के माध्यम से पैकेज दिया था। कांटी थर्मल प्लांट उसी से बना। उधर, जदयू का कहना है कि नीति आयोग को मानक में बदलाव कर विशेष राज्य का दर्जा देना चाहिए। हालांकि नीति आयोग में विशेष राज्य दर्जे का प्रावधान ही नहीं है। उधर, दोनों पार्टियों में उत्तर प्रदेश में होने वाले विधान सभा चुनाव मिलकर लड़ने पर सहमति बन गई है।

पंजाब के चुनाव में जुटी आप, 15 उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी

» नामों का किया ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब विधान सभा चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी ने उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी कर दी है। पार्टी ने इस सूची में 15 उम्मीदवारों की घोषणा की है। आप ने भुलत्थ से रंजीत सिंह राणा को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। पिछले चुनाव में सुखबीर सिंह खैरा आप की टिकट पर यहां से चुनाव लड़े थे और जीत दर्ज की थी, हालांकि बाद में उन्होंने आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देकर कांग्रेस का दामन थाम लिया। पार्टी ने कुलजीत सिंह रंधावा को डेराबस्सी से अपना प्रत्याशी घोषित किया है। इनके अलावा 13 अन्य विधान सभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के नामों का ऐलान किया गया है। पार्टी ने इससे पहले शुक्रवार को 18 उम्मीदवारों की घोषणा की थी।

पार्टी के पंजाब प्रधान भगवंत मान और पंजाब प्रभारी जरनैल सिंह की ओर से जारी प्रत्याशियों की सूची के अनुसार रणजीत सिंह राणा (भुलत्थ), इंदरजीत कौर मान (नकोदर), गुरध्यान सिंह मुल्तानी (मुकेरियां), करमवीर सिंह घुम्मन (दसूहा), जसवीर सिंह राजा गिल (उड़मुड़), दिनेश चड्ढा (रोपड़), लखबीर सिंह राई (श्री फतेहगढ़ साहिब), तरुणप्रीत सिंह सौंध (खन्ना), हाकम सिंह ठेकेदार (रायकोट), देविंदर सिंह लड्डी धोस (धर्मकोट), आशू बांगर (फिरोजपुर रूरल), अमनदीप सिंह 'गोल्डी' मुसाफिर (बालुआना), डॉ. विजय सिंगला (मानसा), नरिंदर कौर भारज (संगरूर), कुलजीत सिंह रंधावा (डेराबस्सी) के नामों का ऐलान किया गया है। आम आदमी पार्टी पंजाब के प्रधान और लोक सभा सांसद भगवंत मान पंजाब विधान सभा चुनाव में शिरोमणि अकाली दल के प्रधान सुखबीर बादल के खिलाफ चुनाव नहीं लड़ेंगे। सुखबीर बादल इस चुनाव में भी अपनी परंपरागत सीट जलालाबाद हलके से चुनाव में उतरेंगे लेकिन आप की तरफ से इस बार भगवंत मान के बजाय जगदीप 'गोल्डी' कंबोज को मैदान में उतारा है।

पत्नी की हत्या कर थाने पहुंचा पति, पुलिस सन्न

» सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई वारदात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विकासनगर रिंग रोड पर रविवार को गुलशन खातून की चाकू से गोदकर उसके पति शकील अंसारी ने हत्या कर दी। इसके बाद वह खून से सना चाकू लेकर खुद गुडंबा थाने पहुंचा और खुद को पुलिस के हवाले कर बोला कि मैंने अपनी पत्नी को मार डाला है। पूरी वारदात आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई।

बिहार के गोपालगंज निवासी शकील अंसारी ने दो शादियां की थीं। पहली पत्नी गुलशन खातून गुडंबा में रहती थी। दंपती के बीच विवाद चल रहा था जिसका मुकदमा बिहार के गोपालगंज में भी दर्ज है। गुलशन की शिकायत पर शकील को बिहार में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। करीब एक महीने पहले वह जमानत पर बाहर आया था। रविवार को शकील साली के घर पहुंचा और पत्नी को गुडंबा चलने के लिए साथ ले आया। रास्ते में कहासुनी होने उसने गुलशन की हत्या कर दी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद बैक फुट पर शिवराज सरकार, पंचायत चुनाव पर रोक

» मध्य प्रदेश सरकार ने कैबिनेट के प्रस्ताव को दी मंजूरी

» आरक्षित पदों के लिए दोबारा नोटिफिकेशन का जारी किया था निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार बैक फुट पर आ गई है। राज्य सरकार ने अब पंचायत चुनाव पर रोक लगाने का फैसला किया है। शिवराज कैबिनेट ने इस संबंध में पेश प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने 17 दिसंबर को पंचायत चुनावों में ओबीसी आरक्षण पर रोक लगाते हुए पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित पदों के लिए दोबारा नोटिफिकेशन जारी करने के निर्देश दिए थे।

इस बीच केंद्र सरकार ने रविवार को सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था और मध्य प्रदेश पंचायत चुनावों के संबंध में उसके 17 दिसंबर के आदेश को वापस लेने की मांग करते हुए कहा था कि शासन में निर्वाचित निकायों में समुदाय का पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किए बिना चुनाव कराना संविधान के विपरीत है। केंद्र ने कोर्ट में यह भी सुझाव दिया है कि वैकल्पिक रूप से सुप्रीम कोर्ट चार महीने के लिए चुनाव टाल सकता है और तीन महीने के भीतर आयोग से रिपोर्ट मांग सकता है जो पहले से ही पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित सीटों की पहचान करने में लगा हुआ है। जब तक आरक्षित सीटों के साथ चुनाव नहीं होते, तब तक प्रशासकों को एक गैप अरेंजमेंट के रूप में नियुक्त किया जा सकता है।

अमरिंदर की पंजाब लोक कांग्रेस से सीटों पर समझौता करेगी भाजपा

गठबंधन में वरिष्ठ सहयोगी हो सकती है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। भाजपा और कैप्टन अमरिंदर सिंह की नवगठित पंजाब लोक कांग्रेस के आज आगामी पंजाब चुनाव 2022 के लिए सीटों के बंटवारे के समझौते को अंतिम रूप देने की उम्मीद है। सूत्रों ने कहा कि भाजपा गठबंधन में वरिष्ठ सहयोगी होगी। शीर्ष नेतृत्व बैठक कर सीटों के बंटवारे का गणित और अमरिंदर सिंह की पार्टी के उम्मीदवारों के लिए अलग की जाने वाली सीटों पर फैसला करेंगे।

पंजाब विधान सभा में कुल 117 सीटें हैं। एक ओर जहां वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि पूर्व मुख्यमंत्री का एक दशक का अनुभव हर निर्वाचन क्षेत्र से समझने में मदद मिलेगी तो वहीं कैप्टन ज्यादा सौदेबाजी करने की स्थिति में नहीं हैं। गठबंधन में सीटों का बड़ा हिस्सा भाजपा को जाएगा। पार्टी लंबे समय से सहयोगी शिरोमणि अकाली दल के साथ अपने अनुभव को देखते हुए राज्य में अपने संगठन का विस्तार और मजबूत करना चाहती है। सूत्रों ने कहा कि पार्टी में बहुत से लोग यह नहीं मानते हैं कि अमरिंदर सिंह के पास उनके गृहनगर पटियाला के मतदाताओं सहित उनके लोगों का समर्थन है। अमरिंदर सिंह को पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू के साथ सत्ता संघर्ष के बीच सितंबर में पंजाब के मुख्यमंत्री के तौर पर अनौपचारिक रूप से पद छोड़ना पड़ा था। कांग्रेस ने तब अमरिंदर की जगह चरणजीत सिंह चन्नी को सीएम बनाया। इसके बाद कैप्टन अपनी पार्टी बनाने के लिए कांग्रेस छोड़ दी। वहीं राज्य में भाजपा के चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि इस चुनाव में परिणाम सभी को चौंका देंगे।

ब्राह्मणों की नाराजगी से हड़कंप, दिल्ली बुलाए गए भाजपा के बड़े ब्राह्मण नेता

ब्राह्मण वोट बिखर न जाए इसलिए घर-घर मनाने जाएगी भाजपा

» नड्डा ने ब्राह्मण सांसदों, मंत्रियों व विधायकों को दिया जीत का मंत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अगले साल यूपी चुनाव है और भाजपा दोबारा सत्ता पाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में भाजपा ने ब्राह्मण पॉलिटिक्स चली है। दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व ने ब्राह्मण सांसदों, मंत्रियों व विधायकों को बुलाकर मंत्रणा की ताकि आगामी चुनाव में 300 से ज्यादा का आंकड़ा पार कर सकें। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने यूपी में ब्राह्मण समाज को एकजुट करने के लिए सभी ब्राह्मण सांसदों और मंत्रियों को चुनाव में जुट जाने के लिए कहा है।

दरअसल, चुनावी सियासत के केंद्र में ब्राह्मण वोट बैंक है। हर एक पार्टी की नजर इसी वोट बैंक पर है, खासकर भाजपा की। यूपी विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा अपने सारे समीकरणों को सेट कर लेना चाहती है। लिहाजा, सूबे के ब्राह्मण वोटरों की नाराजगी की खबरों को लेकर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी अलर्ट मोड पर है। यही वजह है कि टेनी से न तो इस्तीफा लिया गया, न उन पर कार्रवाई हुई। यूपी बीजेपी के प्रभारी और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के दिल्ली आवास पर कल आगामी चुनाव को लेकर अहम बैठक हुई। हालांकि आज की बैठक जेपी नड्डा के आवास पर चल रही है। वहीं धर्मेंद्र प्रधान ने अपनी इस बैठक में राज्य के ब्राह्मण मंत्रियों से फीडबैक लिया और अपने इस सबसे मजबूत वोट बैंक की नब्ज टटोली।

यूपी में ब्राह्मण पॉलिटिक्स

उत्तर प्रदेश में ब्राह्मणों की आबादी 13 फीसदी के करीब मानी जाती है। 1990 तक सूबे की सत्ता पर ब्राह्मणों का राज हुआ करता था, लेकिन मंडल की राजनीति के बाद समीकरण तेजी से बदलने लगे और ब्राह्मण सिर्फ वोट बैंक तक सीमित रह गया। इसके बावजूद पूर्वांचल से लेकर अवध और रुहेलखंड तक आज भी कई सीटों पर इस फैक्टर का प्रभाव काम करता है। हार और जीत ब्राह्मणों के मिजाज से तय होती है। ऐसे में बसपा से लेकर बीजेपी तक इस वोट बैंक को साधने की कवायद में जुटे हुए हैं।

ये ब्राह्मण सांसद, मंत्री-विधायक गए हुए हैं दिल्ली

जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के उप-मुख्यमंत्री डॉक्टर दिनेश शर्मा, कैबिनेट मंत्री बृजेश पाठक, ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा, बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी, ग्राम्य विकास राज्यमंत्री आनंद स्वरूप शुक्ला, रीता बहुगुणा जोशी, रमापति त्रिपाठी, हरिद्वार दूबे, सत्यदेव पचौरी, अनिल शर्मा, जितेन प्रसाद, रामनरेश अग्निहोत्री, लक्ष्मीकांत वाजपेयी इस समय दिल्ली में है।

2017 के चुनाव में ब्राह्मणों की पसंद बीजेपी

2017 के विधानसभा चुनावों में ब्राह्मणों का आशीर्वाद बीजेपी को मिला था। प्रदेश में कुल 58 ब्राह्मण विधायक जीते थे, जिनसें से बीजेपी के 46 विधायक थे। यूपी में ब्राह्मण वोट बैंक की ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि साल 1990 से पहले तक यूपी को आठ ब्राह्मण मुख्यमंत्री मिले थे। राज्य की सत्ता में ब्राह्मण बड़े भागीदार रहे हैं। हालांकि हाल के वर्षों में ब्राह्मणों की भाजपा से नाराजगी की खबरें भी आ रही थीं।

बीजेपी झूठ का फूल : अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले, 2022 में भाजपा की विदाई तय, अगला साल हमारा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव से पहले उत्तर प्रदेश की राजनीति इन दिनों छापेमारी से सियासत गरमाई हुई है। इसी बीच समाजवादी पार्टी के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बीजेपी पर तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट किया कि झूठ के फूल की जड़ मिल गई है। अखिलेश यादव ने देर रात ट्वीट कर बीजेपी को झूठ का फूल बताया।

उन्होंने लिखा कि झूठ के फूल के जड़ मिल गई है। ये भाजपा के गिरते स्तर का शिखर है। सपा प्रमुख ने अपने समाजवादी ट्वीटर पर भाजपा पर प्रहार करते हुए लिखा कि भाजपा झूठी पार्टी है। उन्होंने लिखा कि समाजवादी पार्टी का विजन है कि बिजली के कारखाने लगें, ट्रांसमिशन लाइन बने, डिस्ट्रीब्यूशन बेहतर हो, सोलर एनर्जी बढ़ाई जाए, पानी का इंतजाम हो, नदियां साफ हों और हॉस्पिटल बनाए जाएं। प्रदेश को तरक्की का रास्ता दिखाए जाए। मगर भाजपा ने प्रदेश को बर्बाद कर रखा है। 2022 में भाजपा की विदाई तय है।

भाजपा की गलत नीतियों से चरमराई अर्थव्यवस्था

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि भाजपा की गलत नीतियों से देश की अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। प्रधानमंत्री देश की अर्थव्यवस्था को 5 ट्रिलियन डॉलर बनाने का सपना दिखा रहे हैं, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई ठोस कदम उठाए गए हैं। वे यह भी नहीं बताते कि अब तक देश कितने ट्रिलियन तक पहुंचा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सिर्फ विपक्ष को बदनाम करने का षड्यंत्र रच रही है। सरकारी संस्थाओं के जरिए सरकार विपक्षी नेताओं को डराने की कोशिश कर रही है। लेकिन अब जनता भी उसकी सच्चाई जानने लगी है, इसलिए वह जन समस्याओं की चर्चा से भी भाग रही है। बिना सरकारी तंत्र के भाजपा नेतृत्व अब आम जनता में जाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा है। लोग महंगाई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था, गन्ना बकाया और किसानों की आय दोगुनी करने के वादे के साथ फसल का लाभप्रद मूल्य दिलाने को लेकर सवाल पूछ रहे हैं। भाजपा राज में जनता को सिर्फ जिल्लत और परेशानियां ही मिली है। लोग भ्रष्टाचार से त्रस्त हैं। महिलाएं अपमानित और असुरक्षित महसूस करती हैं।

अपर्णा गौतम बनीं डीसीपी लखनऊ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने चार आईपीएस अफसरों का तबादला कर दिया है। शासन के गृह विभाग ने सुबह चार आईपीएस अधिकारियों के तबादला की सूची जारी की है। इन चार तबादलों में किसी भी जिले का एसपी या एसएसपी नहीं बदला गया है। गृह विभाग ने जो सूची जारी है उसके अनुसार रुचिता चौधरी को लखनऊ में पुलिस अधीक्षक महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन के पद पर तैनात किया गया है।

इससे पहले रुचिता चौधरी लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनात थीं। रुचिता चौधरी के स्थान पर अपर्णा गौतम को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनात किया गया है। अपर्णा गौतम इससे पहले पुलिस महानिदेशक कार्यालय में एसपी मुख्यालय के पद पर तैनात थीं। मोहम्मद नेजाम हसन को अपर्णा गौतम के स्थान पर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पुलिस महानिदेशक कार्यालय के पद पर तैनाती मिली है।

पंजाब में आप की धमाकेदार जीत

» भाजपा के मेयर रवि कांत हारे, आप ने 14 सीटें जीती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। नगर निगम चुनाव के परिणामों में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। भाजपा और कांग्रेस को पछाड़ते हुए आप की धमाकेदार एंट्री हुई है। पंजाब चुनाव से पहले भाजपा को बड़ा झटका लगा है। मेयर रविकांत को लेकर बड़ी खबर है।

वह वार्ड नंबर 17 से चुनाव हार गए हैं। उन्हें आप के दमनप्रीत सिंह ने 828 वोटों से हराया है। एक बजे तक 35 में से 25 सीटों पर नतीजे आ चुके हैं। 14 सीटों पर आप ने कब्जा कर लिया है। 12 सीटों पर भाजपा और 8 सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की है। अकाली दल की झोली में 1 सीट आई है। वार्ड नंबर 23 से आम आदमी पार्टी की प्रेमलता ने कांग्रेस की रविंदर कौर को 681 वोट से मात दी है। वार्ड नंबर 35 से भाजपा के रविंद्र कुमार ने आप के जगजीवन सिंह को 474 वोट से हराया है। वार्ड नंबर 26 से पूर्व मेयर भाजपा नेता राजेश कालिया भी चुनाव हार गए हैं। उन्हें ढलोर ने शिकस्त दी है। मेयर रविकांत शर्मा के साथ ही पूर्व मेयर और मौजूदा प्रदेशाध्यक्ष अरुण सूद के वार्ड से भी भाजपा के प्रत्याशी भी हार गए हैं।

रात में कर्फ्यू दिन में रैली, समझ से परे : वरुण

» बीजेपी सांसद ने योगी सरकार से किया सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा सांसद वरुण गांधी किसानों व महंगाई के मुद्दे पर अपनी ही सरकार पर सवाल उठाते रहे हैं। अब उन्होंने रात में कर्फ्यू लगाने और भाजपा नेताओं द्वारा दिन में लाखों लोगों की भीड़ बुलाकर रैलियां करने पर सवाल उठाए हैं। कहा कि यह समझ से परे है। उन्होंने ट्वीट किया कि रात में कर्फ्यू लगाना और दिन में रैलियों में लाखों लोगों को बुलाना, यह सामान्य जनमानस की समझ से परे है। उत्तर प्रदेश की सीमित स्वास्थ्य व्यवस्थाओं के मद्देनजर हमें ईमानदारी से यह तय करना पड़ेगा कि हमारी प्राथमिकता भयावह ओमिक्रॉन के प्रसार को रोकना है अथवा चुनावी शक्ति प्रदर्शन।

देश-प्रदेश में हर रोज कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ती जा रही है, जिसे देखते हुए एहितयात के तौर पर यूपी में रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू लगा दिया है। हालांकि यूपी चुनाव के कारण राजनेता दिन में हर रोज हजारों लाखों लोगों को बुलाकर रैलियां कर रहे हैं। इस भीड़ में कोरोना प्रोटोकॉल की धज्जियां उड़ रही हैं। सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए कोई नजर नहीं आता। वहीं, जनता तो जनता नेता भी मास्क में नजर नहीं आ रहे हैं। वरुण गांधी लगातार पार्टी लाइन से इतर बयानबाजी कर रहे हैं। इससे पहले भाजपा सांसद वरुण गांधी ने कृषि कानून, किसान आंदोलन, लखीमपुर खीरी कांड, टीईटी पेपर लीक और गन्ना बकाया मूल्य को लेकर भी अपनी सरकार को कटघरे में किया था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।